मोहयाल मित्र

सर्वे भवंतु सुखिनः। सर्वे संतु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित् दुःखभागभवेत्ः।।

■ *संपादकीय*

हम विकास के पथ पर बढ़ रहे हैं

-रायज़ादा बी.डी. बाली

जनरल मोहयाल सभा के अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली ने 21 अक्तूबर 2018 को मोहयाल–दिवस और प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह के अवसर पर श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम गतिशील युवाओं के कारण विकास के पथ पर बढ़ रहे हैं। तेज़ी से परिवर्तित हो रहे तकनीकी विकास के वातारण में युवाओं को और तेज़ी से आगे बढ़ना है। कोई भी मोहयाल बालक–बालिका आर्थिक कारणों से शिक्षा प्राप्त करने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा विधवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनकी सहायता करनी चाहिए।

रायज़ादा बी.डी. बाली जी.एम.एस. और मोहयाल सभा फरीदाबाद द्वारा आयोजित 'मोहयाल दिवस' और 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' समारोह में देश के कोने–कोने से आए मोहयालों का स्वागत करते हुए अपने विचार प्रकट कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकल मोहयाल सभाएँ जी.एम.एस. के आँख–कान हैं। उन्हें ज़रूरतमंद विद्यार्थियों का पता लगाना चाहिए जिनकी सहायता 'एडोप्ट ए चाइल्ड एजूकेशन स्कीम' के अंतर्गत की जा सके। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन का उद्देश्य मोहयालों की सेवा करना है। मैं यह कार्य आजीवन करता रहूँगा।

मोहयाल सभा फ़रीदाबाद की ओर से श्री रमेश दत्ता ने जी.एम.एस. अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली और जी.एम.एस. के पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट तथा 52वीं मोहयाल कांफ्रेंस के अध्यक्ष श्री ओ.पी. मोहन का पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मान किया रायज़ादा बी.डी. बाली और श्री ओ.पी. मोहन ने उनके प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर 'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान' समारोह का आयोजन किया गया जिसके दसवीं कक्षा के 26 और बारहवीं कक्षा के 26 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उन्हें स्मृति–चिह्न और कैलकुलेटर भेंट किए गए। श्री ओ.पी. मोहन, श्री एस.के. छिब्बर, श्री पी.के. दत्ता, श्री विनोद दत्त और श्री रमेश दत्ता आदि की ओर से मेरिट में आए विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार दिए गए।

इस अवसर पर आयोजित भाषण–प्रतियोगिता के पुरस्कार रायज़ादा बी.डी. बाली द्वारा दिए गए।

(दोनों समारोहों का विस्तृत समाचार नवंबर अंक के इंगलिश भाग में प्रकाशित हुआ है।)

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

98वें जन्म-दिन पर बधाई

ऐसे अवसर बार-बार नहीं आते। हमारे सिद्धबाड़ी के चिन्मय तपोवन परिवार के लिए ऐसा ऐतिहासिक अवसर 6 अक्तूबर 2018 को आया। यह शुभ-दिन था श्री ओ.पी. मोहन जी के जन्म-दिन का। हमने इसे मिलकर बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया।

हमने उनके जन्म-दिन पर गीत गाकर उनकी दीर्घायु की कामना की। हमने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। संत स्वभाव के श्री ओ.पी. मोहन हमारे बीच रह रहे हैं। उनका प्रिय स्वभाव हमें प्रेरणा देता हैं। वे हमारे प्रेरक हैं।

खुशी के इस अवसर पर श्री ओ.पी. मोहन जी और अमेरिका से पधारी उनकी सुपुत्री अमिता जी ने हमें भिक्षा प्रदान की। उन्हें गुरुजन का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। चिन्मय आश्रम में अध्ययन कर रहे हम सभी ब्रह्मचारी और मेहमान-विद्यार्थी, सम्मानीय अधिकारीगण तथा कर्मचारियों ने श्री ओ.पी. मोहन जी को शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर उनकी बिटिया अमिता जी ने हमारी सहयोगी संस्था 'कॉर्ड' को भी भेंट प्रदान की। उन्होंने जी.एम.एस. में उनके ट्रस्ट 'केसरा देवी मेहता तीर्थराम एजूकेशन ट्रस्ट' के लिए 5000 रुपए भेंट किए। श्री ओ.पी. मोहन जी को देश-विदेश से उनके संबंधियों और शुभचिंतकों ने फ़ोन करके उन्हें जन्म-दिन की बधाई दी।

उनके पुत्र श्री अजय मोहन, पुत्रवधू नीलिमा मोहन, पौत्र उदय मोहन और शरद मोहन, श्रीमती उदय मोहन, परपौत्री आयश ने कनाडा में केक काटकर उनका जन्म-दिन मनाया। उन्होंने इस अवसर के फ़ोटोग्राफ़ श्री ओ.पी. मोहन जी को भेजे हैं। उन्होंने कामना की है कि प्रभु श्री ओ.पी. मोहन जी को स्वस्थ और सानंद रखें तथा परिवारजन को उनका आशीर्वाद सदा मिलता रहे।

अपने जन्म-दिन पर श्री ओ.पी. मोहन जी ने हम 'चिन्मय तपोवन' में रहने वालों को अविस्मरणीय संदेश दिया है-

जन्म-दिन मनाएँ तो ऐसे मनाएँ
सबके दिलों तक खुशियाँ पहुँचाएँ
दीपक जलाकर प्रकाश फैलाएँ
संतों का हमेशा आशीर्वाद पाएँ
छोटों पर अपना स्नेह लुटाएँ
हलवा बाँटें मिठाइयाँ खिलाएँ
सदा खुश रहें सब, करें कामना
अच्छे कर्म करें सबको अपना बनाएँ।

-चिन्मय तपोवन परिवार के सभी शुभचिंतक

जन्म-दिन पर बधाई

सिम्मी छिब्बर (उप प्रधान मोहयाल सभा नज़फगढ़ नई दिल्ली) पत्नी श्री अनिल कुमार छिब्बर नज़फगढ़ क्षेत्र के निवास स्थान आरज़ेड-15 (सिम्मी हाईट) सूदन गार्डन नज़फगढ़ नई दिल्ली 110043 की सासु माँ श्रीमती सुशील छिब्बर एवं देवर श्री अजित छिब्बर जिनका जन्म-दिन सौभाग्य से 4 नवम्बर 2018 तथा ससुर स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल छिब्बर सुपुत्र श्री देसराज छिब्बर जी का जन्मदिन 16 नवंबर 2018 को ही था, को (दादका एवम् नानका परिवार) राजकुमार छिब्बर, रेखा छिब्बर, मीनाक्षी छिब्बर, मधुबाला, कशिश छिब्बर, खुशानत छिब्बर, देवांश छिब्बर, शांतनु छिब्बर, सागरिका छिब्बर, निलिशा छिब्बर, करन एवं नताशा ने जन्म-दिन की बहुत-बहुत बधाई दी तथा भगवान से लम्बी उम्र की शुभकामनाएं दीं!

सड़कें

कोई कल्पना करे कब और कैसे ये सड़कें बनीं थीं
चलो इन्हीं से पूछे यहाँ पर कैसी घटनाएँ यहीं थीं,
इन्तजार है इनको कोई आकर इनसे बात करे
पूछे इनसे मज़दूरों के खून-पसीने के किस्से...

पैदल, घोड़े, बैल गाड़ियाँ दौड़ी थी इन पर
कितना समय लगा था इनको कच्ची से पक्की होने तक
सड़कें नहीं ये इतिहास के पन्ने हैं इस देश के
ऊँचे वृक्ष गवाही देते दोनों ओर खड़े इनके...

अमरीकी वीरानों में तो सड़कें ऐसी थीं
कि मानो स्वागत में हमारे हाथ पसारे खड़ी हुई!
जाते देखो ग्रामवासियों को अपने मेलों की ओर
रंग-बिरंगे वस्त्रों में तब सड़कें भी लगती सजी...

मुक्त-मार्ग से भीषण जब मैं गुजर रहा था मुंबई के
टैक्सी-चालक ने देखा था विस्मय से मेरे चेहरे को
मुझको हर लगता 'ऑड' कुछ बात न कह दूँ उससे मैं,
मेरी तो दिलचस्पी है हर चीज़ में अब भी बनी हुई...

पूरन चंद बाली 'नमन'
सी 1606, ओबेराय स्पलेण्डर,
जे.वी.एल. रोड, जोगेश्वरी (पू.) मुंबई 400060
मो. 9619569142

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्थानीय मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 4 नवंबर 2018, रविवार को मोहयाल भवन फरीदाबाद में प्रधान श्री रमेश दत्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 45 भाई बहनों ले भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त–

जनरल सेक्रेटरी रायज़ादा के.एस. बाली ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई व सभी को बताया कि श्री बलराम दत्ता, प्रधान मोहयाल सभा धर्मशाला की तबियत ठीक नहीं है। सभी ने उनकी शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि 21 अक्तूबर के 'मोहयाल दिवस' का कार्यक्रम बहुत सफल रहा व सभी ने अपने–अपने शब्दों में कार्यक्रम की व्यवस्था व भोजन की प्रशंसा की। श्री रमेश दत्ता ने बताया कि फरीदाबाद मोहयाल सभा ने भी फरीदाबाद के प्रतिभाशाली छात्रों–करीना मोहन, प्रगति दत्ता 12वीं और युक्ति मेहता, वंशीता छिब्बर, हर्षिता छिब्बर, आरुषि मेहता (वैद) और वंशिका लौ सभी 10वीं को उसी दिन 1000 रुपए व स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया।

श्री मिथलेश दत्ता ने सभा के लिए निम्न राशि एकत्र की–

मोहयाल सभा यमुनापार 5100 रु., मोहयाल सभा गुरुग्राम 5000 रु., श्री योगेश मेहता 5000 रु., श्री विपिन मोहन 1100 रु., श्री शिव मेहता सेक्टर 9 फरीदाबाद 1000 रु., श्री आर.के. छिब्बर 500 रु., श्री आर.सी. दत्ता 500 रु., श्री रविकान्त लौ 500 रु. और श्री जी.एल. लौ 250 रुपए।

श्री रमेश दत्ता ने सभी को अपनी व अपनी सभा की ओर से धन्यवाद किया व दीपावली व भाईदूज की बधाई दी।

दीपावली के इस मौके पर श्रीमती बाला बाली, आशु वैद व इन्द्र बाली ने गीत–भजन गाए, सभी ने उनका साथ दिया, व स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

अन्त में प्रधान श्री रमेश दत्ता ने फिर से सबका धन्यवाद दिया व बताया कि अगले माह की मीटिंग 2 दिसंबर को होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9212557095*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

उत्तम नगर-नई दिल्ली

सभा की द्विमासिक मीटिंग उप प्रधान संजय बक्शी के निवास स्थान में रखी गई। गायत्री मंत्र एवं मोहयाल प्रार्थना के उपरांत सभा में आए नये सदस्यों का परिचय कराया गया। सबने फरीदाबाद सभा के सहयोग से विद्यार्थी सम्मान कार्यक्रम की प्रशंसा की। सभा के सभी सदस्यों द्वारा ग्रीन दिवाली मनाए जाने पर प्रधान द्वारा सराया गया। विनित ने पौधारोपण कार्यक्रम को दिसंबर माह में करने के सबको सूचित किया जोकि पिछले माह ही करना था मगर प्रधान जी की अस्वस्थता के कारण स्थगित किया गया।

सभा द्वारा दो विडो पेंशन पर दुबारा चर्चा की और उन्हें सभी सदस्यों द्वारा जाँच पड़ताल के बाद जीएमएस में पेंशन के लिए भेजा गया।

अन्त में जलपान के बाद अगली मीटिंग सचिव विनित बक्शी के निवास स्थान में रखने की प्रस्ताव पास किया गया।

संजय बक्शी, *उपप्रधान*

आगरा

आज दिनांक 4.11.2018 को आगरा में श्री राजेश दत्ता, श्री राजन दत्ता के निवास 20 निखल गार्डन शमशबाद रोड आगरा में बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ सम्पन्न हुई। जिसमें सबसे छोटे नवाब बेबी मोधक, अंजान योगिता दत्ता पौत्र श्रीमती मधु दत्ता, श्री कामरान दत्त विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहा। मीटिंग में सभी ने एक दूसरे को दीपावली की धन–तेरस की बधाई दी तथा नव वर्ष की भी शुभकामनाएँ दीं। मीटिंग के अन्त में गायत्री मंत्र व जय मोहयाल के नारों से सभा का समापन हुआ।

श्री कामरान दत्ता, श्री राजेश दत्ता, श्री राजन दत्ता व श्रीमती राजन व उनके परिवार के सभी को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

एस.पी. दत्ता, *सेक्रेटरी*
मो. 9897455755

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जगाधरी वर्कशॉप

मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप की मासिक बैठक 4 नवंबर 2018 को जंजघर आई.टी.आई में प्रधान सतपाल दत्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

शुभ समाचारः अशोक मोहन ने अपने जन्मदिन की खुशी में 500 रुपए जी.एम.एस. को भेंट किए।

सर्वप्रथम अश्वनी बाली जो कि हमारी सभा के कोषाध्यक्ष हैं ने पिछला हिसाब जो खर्चा व बकाया सभी सदस्यों को बताया। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली व भैया दूज की मुबारकबाद दी। इसके बाद सभी ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए। सुरेंद्र मेहता वैद ने सदस्यों से अपील की कि एक समय में एक सदस्य अपना विचार व्यक्त करें ताकि बात सबकी समझ में आए। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को सभा से जोड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अश्विनी बाली ने आए हुए सभी सदस्यों का जलपान कराया। जबकि प्रधान ने सभी का धन्यवाद किया। अगली मीटिंग जंजघर में होगी।

सुरेंद्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*

नज़फगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नज़फगढ़ की मासिक बैठक 4.11.2018 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री अनिल कुमार छिब्बर के निवास स्थान (सिम्मी हाईट आर जैड–15, सूदन गार्डन, नियर गुरूद्वारा, नज़फगढ़, नई दिल्ली 110043) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई। जिसमें 19 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया। जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

मोहयाल सभा नज़फगढ़ की अगली बैठक 2 दिसंबर 2018 को श्री अनिल कुमार छिब्बर के निवास स्थान (सिम्मी हाईट आर जैड–15, सूदन गार्डन, नियर गुरूद्वारा, नज़फगढ़, नई दिल्ली 110043) में प्रातः 10 बजे होगी। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए अनिल कुमार छिब्बर को धन्यवाद किया। सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध है।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — *मो. 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

यमुनापार-दिल्ली

मोहयाल सभा यमुनापार की नवम्बर माह की मासिक मीटिंग प्रधान श्री सतीश बाली की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान पर आयोजित की गई। 29 मोहयाल सदस्यों ने जिसमें अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। मोहयाल प्रार्थना के बाद प्रधान सतीश बाली ने सभी का स्वागत किया। सेक्रेटरी संजीव बाली ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ कर सुनाया, जिसका सभी ने एकमत से अनुमोदन किया। लम्बे समय से यह सुझाव रहा है कि मासिक मीटिंग सदस्यों के घर पर रखी जाए (ऐसा बहुत वर्ष पहले भी होता आया है) प्रधान श्री सतीश बाली ने उसी विचार के तहत मीटिंग का आमन्त्रण अपने घर पर रखा जो बहुत अधिक सफल रहा। सभी सदस्यों को बताया गया कि दीपावली के विशेष अवसर पर जो माताएँ–बहनें सभा से मासिक पेंशन लेती हैं उन सभी को सभा की तरफ से 500–500 रुपए और प्रधान सतीश बाली की तरफ से 200–200 रुपए दिए जा रहे हैं, सभी ने इसका स्वागत किया।

सेक्रेटरी ने सदस्यों को सूचित किया कि फरीदाबाद में मोहयाल दिवस और विद्यार्थी सम्मान का भव्य और सफल आयोजन फरीदाबाद सभा और जीएमएस ने मिलकर किया जिसमें सभा की तरफ से 5100 रुपए शुभकामना राशि के तौर पर दिए गए। हमारे मुकेश मोहन की सुपुत्री गरिमा मेहता ने कक्षा 10 में 87.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और डीबेट में हिस्सा लेते हुए मातृभाषा हिंदी में अपने विचार रखे जिसकी सभी ने प्रशंसा की! श्री चंदर मोहन छिब्बर ने घोषणा की कि जो आर्थिक रूप से कमज़ोर हैं, उनकी कन्याओं के विवाह हेतु 10000 रुपए की कन्या दान की राशि (निमंत्रण एमएस यमुनापार) तथा आर्थिक रूप से से कमज़ोर मोहयालों को 5000 रुपए की आर्थिक सहायता देह–संस्कार हेतु वह प्रदान की करेंगे।

श्री श्याम सुन्दर मोहन, श्री विनोद बाली और श्री सी.पी. दत्ता अपने खुशियों भरे विचार रखे और सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित की। प्रधान सतीश बाली की पुत्री ज्योति बाली मेरठ से सभा में उपस्थित हुई और उन्होंने अपनी सपरिवार मोहयाल आश्रम वृंदावन यात्रा का उल्लेख किया और उनके साथ हुए असुविधाजनक व्यवहार का ब्यौरा सभा के समक्ष रखा। श्री कुलभूषण छिब्बर, श्री श्याम सुंदर मोहन, श्रीमती सुनीता बाली और अन्य सदस्यों ने मिलकर उन्हें धैर्य

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

दिया और अश्वासन दिया कि इस पर वह आगे आश्रम प्रबंधकों से चर्चा करेंगे।

श्री दलीप सिंह दत्ता, श्री इन्दर मोहन मेहता, श्री विनोद बाली, श्री धनेश दत्ता, श्री वी.एस. लौ और श्री सतीश बाली मुख्य दानकर्ता रहे। सभा इनका आभार प्रकट करती है।

अंत में बाली परिवार की तरफ से आयोजित जलपान–नाश्ता और मिष्ठान का सभी सदस्यों ने लुत्फ़ उठाया। प्रधान सतीश बाली ने सभी का धनतेरस, दीपावली और भैया दूज की मंगलकामनाएँ दीं और उनके निवास पर पधारने का धन्यवाद किया। जय मोहयाल!!

सतीश बाली, *प्रधान* — ***संजीव बाली (बंटी),*** *सचिव*
मो. 9211741150 — *मो. 7678262318*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनाँक 11.11.2018 को प्रधान हरदीप सिंह वैद की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद भाई लक्ष्मण देव छिब्बर के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

मंगलकामनाः मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से भगवान से प्रार्थना है कि वह श्री बलराम दत्ता जोकि फरीदाबाद मोहयाल के प्रचार सेक्रेटरी थे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं भगवान उन्हें शीघ्र ठीक करें।

अन्त में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए भाई लक्ष्मण देव छिब्बर परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 9466273488

स्त्री विंग मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री विंग मोहयाल सभा यमुनानगर की मासिक बैठक श्रीमती तारावन्ती वैद के निवास स्थान पर 01.11.2018 को हुई। मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता ने की। मीटिंग में सभी बहनों ने भाग लिया। मीटिंग की शुरूआत गायत्री मंत्र के साथ हुई।

मीटिंग में सभी बहनों ने एक दूसरे को दीवाली की शुभकामनाएँ दीं और मंगलकामना की। स्त्री मोहयाल सभा ने दीपावली की शुभकामनाएँ समस्त यमुनानगर मोहयाल भाई बहनों व बच्चों को दीं।

मीटिंग में श्रीमती कमला दत्ता ने अपने विचार रखे। श्रीमती प्रेम दत्ता, श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती निशा मोहन और श्रीमती विजय लक्ष्मी ने अपने विचार रखे।

मीटिंग में नव वर्ष मनाने के लिए विचार किया गया।

शान्ति पाठ के साथ मीटिंग की कार्यवाही समाप्त हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सेक्रेटरी*
फोनः 01732–226799

माता-पिता को समर्पित एक कविता

दिया बन के

हर इक पल में संग मेरे चलते रहे
दिया बन के माँ बाप जलते रहे,
ना समझा ना जाना उस एहसास को
वो हमारे लिए जीते मरते रहे।

उजाले भरी हैं जो राहें मेरी
दिखती नहीं जो निगाहे अभी,
पर जानता हूँ मैं हर इक घड़ी
ये खुशियों का मंजर हैं उनका दिया,
जो हर पल दुआ इसकी करते रहे।

हर इक पल में संग मेरे चलते रहे
दिया बन के माँ बाप जलते रहे।।

अभी भी कभी भी गर हूँ मैं उदास
पाता हूँ उनको फिर अपने ही पास,
भर जाता हैं मन में फिर नया सा विश्वास
फिर आ जाता हैं मुझमें चलने का साहस।

कहती है आवाज़ रुकना नहीं
बिना मंजिलों के तू थमना नहीं,
हिम्मत से लड़ना जंग ए जिन्दगी
और हम फिर से आकाश छूते रहे।
हर इक पल में संग मेरे चलते रहे
दिया बन के माँ बाप जलते रहे।।

न नजरों से ओझल इन्हें होने दो
माँ बाप आस है विश्वास है,
हर मुश्किल घड़ी से निकलने का
कुदरत का दिया वरदान है।

इन्हीं की मुस्कराहटों से
मेरे घर के कोने महकते रहे।
हर इक पल में संग मेरे चलते रहे
दिया बन के माँ बाप जलते रहे।।

स्वरचित-गीता वैद
9968696917

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

■ *10 नवम्बर बलिदान दिवस*

"अमर शहीद ब्राह्मण भाई मतिदास, सतिदास एवं दयाला जी के बलिदान दिवस पर शत्-शत् नमन"

गुरु तेगबहादुर के पास जब कश्मीर से हिन्दू औरंगज़ेब के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना करने आए, तो वे उससे मिलने दिल्ली चल दिए। मार्ग में आगरा में ही उनके साथ भाई मतिदास, भाई सतिदास तथा भाई दयाला को बन्दी बना लिया गया। इनमें से पहले दो सगे भाई थे।

औरंगज़ेब चाहता था कि गुरुजी मुसलमान बन जाएँ। उन्हें डराने के लिए इन तीनों को तड़पा–तड़पा कर मारा गया; पर गुरुजी विचलित नहीं हुए। औरंगज़ेब ने सबसे पहले 9 नवम्बर 1675 को भाई मतिदास को आरे से दो भागों में चीरने को कहा। लकड़ी के दो बड़े तख्तों में जकड़कर उनके सिर पर आरा चलाया जाने लगा। जब आरा दो तीन इंच तक सिर में धँस गया, तो काजी ने उनसे कहा–'मतिदास, अब भी इस्लाम स्वीकार कर ले। शाही जर्राह तेरे घाव ठीक कर देगा। तुझे दरबार में ऊँचा पद दिया जाएगा और तेरी पाँच शादियाँ कर दी जाएँगी।'

भाई मतिदास ने व्यंग्यपूर्वक पूछा–'काजी, यदि मैं इस्लाम मान लूँ, तो क्या मेरी कभी मृत्यु नहीं होगी?' काजी ने कहा कि यह कैसे सम्भव है। जो धरती पर आया है, उसे मरना तो है ही। भाई जी ने हँस कर कहा–'यदि तुम्हारा इस्लाम मज़हब मुझे मौत से नहीं बचा सकता, तो फिर मैं अपने पवित्र हिन्दू धर्म में रहकर ही मृत्यु का वरण क्यों न करूँ?'

उन्होंने जल्लाद से कहा कि अपना आरा तेज़ चलाओ, जिससे मैं शीघ्र अपने प्रभु के धाम पहुँच सकूँ। यह कहकर वे ठहाका मार कर हँसने लगे। काजी ने कहा कि वह मृत्यु के भय से पागल हो गया है। भाई जी ने कहा–मैं डरा नहीं हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि मैं धर्म पर स्थिर हूँ। जो धर्म पर अडिग रहता है, उसके मुख पर लाली रहती है; पर जो धर्म से विमुख हो जाता है, उसका मुँह काला हो जाता है। 'कुछ ही देर में उनके शरीर के दो टुकड़े हो गए।'

अगले दिन 10 नवम्बर को उनके छोटे भाई सतिदास को रुई में लपेटकर जला दिया गया। भाई दयाला को पानी में उबाल कर मारा गया। 11 नवम्बर को चाँदनी चौक में गुरु तेगबहादुर का भी शीश काट दिया गया।

ग्राम करयाला, जिला झेलम (वर्तमान पाकिस्तान) निवासी भाई मतिदास एवं सतिदास के पूर्वजों का सिख इतिहास में विशेष स्थान है। उनके परदादा भाई परागा छठे गुरु हरगोविन्द के सेनापति थे। उन्होंने मुगलों के विरुद्ध युद्ध में ही अपने प्राण त्यागे थे। उनके समर्पण को देखकर गुरुओं ने उनके परिवार को 'भाई' की उपाधि ा दी थी। भाई मतिदास के एकमात्र पुत्र मुकुन्द राय का भी चमकौर के युद्ध में बलिदान हुआ था।

ब्राह्मण भाई मतिदास के भतीजे साहबचन्द और धर्मचन्द गुरु गोविन्द सिंह के दीवान थे। साहबचन्द ने व्यास नदी पर हुए युद्ध ा में तथा उनके पुत्र गुरुबख्श सिंह ने अहमदशाह अब्दाली के अमृतसर में हरिमन्दिर पर हुए हमले के समय उसकी रक्षार्थ प्राण दिए थे। इसी वंश के क्रान्तिकारी भाई बालमुकुन्द ने 8 मई, 1915 को केवल 26 वर्ष की आयु में फाँसी पाई थी। उनकी साध्वी पत्नी रामरखी ने पति की फाँसी के समय घर पर ही देह त्याग दी।

लाहौर में भगत सिंह आदि सैकड़ों क्रान्तिकारियों को प्रेरणा देने वाले भाई परमानन्द भी इसी वंश के तेजस्वी नक्षत्र थे। किसी ने ठीक ही कहा है–

सूरा सो पहचानिये, जो लड़े दीन के हेत
पुरजा–पुरजा कट मरे, तऊँ न छाड़त खेत।।

-पी.के. दत्ता, *गुरुग्राम*

श्री रामनाथ दत्ता का निधन

20 जुलाई 2018 को श्री रामनाथ दत्ता का निधन हो गया। उनका दिल का दौरा पड़ने से हुआ। वे विश्वनाथ दत्ता के छोटे भाई थे और जर्मनी में रहते थे। उन्होंने नज़फगढ़ सभा को 500 रुपए दान दिए।

स्व. श्रीमती निर्मला छिब्बर की द्वितीय पुण्य तिथि

दिनाँक 16.09.2018 को पूजनीय माता जी आपकी द्वितीय पुण्य तिथि थी। समय इतनी तेज़ी से व्यतीत हुआ, पता ही नहीं चला। बच्चों के समीप माँ सबसे निकट होती है। माता जी शाँत एवं धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। हमेशा कठिन से कठिन समय का दृढ़तापूर्वक सामना किया। कभी भी विचलित नहीं होती थीं। बड़े शहर में पालन–पोषण होने के बावजूद गाँव में रहकर कठिन एवं संघर्षमय जीवन का निर्भीकता के साथ सामना किया।

समस्त परिवार हरपल आपको हमेशा स्मरण करता रहता है। आपका आशीर्वाद एवं स्नेह आज भी परिवार के साथ रहा है तथा रहेगा। हार्दिक श्रद्धांजलि सहित परिवार 1000 रुपए 'महिला कल्याण निधि (जी.एम.एस.)' दिल्ली को उनकी स्मृति में भेंट कर रहा है।

पुत्रगण–भाई वि ासागर छिब्बर, भाई प्रेमसागर छिब्बर, भाई विनोद कुमार छिब्बर, भाई वेद रतन छिब्बर और भाई शिव सागर छिब्बर–मो. अर्जुनपुरवा लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) मो. 7499062449

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor